Need to establish a ?Champaran Sangrahalay? in Lauria in Valmikinagar Parliamentary Constituency, Bihar-laid

श्री सुनील कुमार (वाल्मीकि नगर) : मैं सरकार का ध्यान वाल्मीकि नगर लोक सभा अंतर्गत अवस्थित ऐतिहासिक विरासतों को एक स्थान पर संग्रहित करने के सबंध में आकृष्ट कराना चाहता हूँ । वाल्मीकि नगर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की कर्मभूमि रही है । गोनाहा प्रखंड के भितिअरवा आश्रम में सत्याग्रह के समय कई महीनों तक इस आश्रम में रहे थेI गोनाहा के रमपुरवा में भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष पाए जाते हैं I लौरिया प्रखंड के नंदनगढ़ तथा नरकटियागंज के चानकीगढ़ में नंद वंश तथा चाणक्य के द्वारा बनाये गये महलों के अवशेष है जो अब एक टीले के रूप में परिवर्तित हो चुके हैंI नंदनगढ़ टीले को भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष पर बना स्तूप भी कहा जाता है । नंदनगढ़ से 1 किलोमीटर की दूरी पर लौरिया में 2310 वर्ष पुराना सिंह के शीर्ष वाला अशोक स्तंभ है I वाल्मीकि नगर को भगवान श्री राम के पुत्र लव कुश की जन्म स्थली के रूप में भी जाना जाता है I मैं सरकार से मांग करता हूँ कि लौरिया जो वाल्मीकि नगर का केंद्र स्थान है, में एक चंपारण संग्रहालय का निर्माण कराया जाए, जिसमें यहाँ की प्रसिद्ध धरोहरों को यहाँ आने वाले पर्यटकों के लिए प्रदर्शित किया जाए I